ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-08-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-08-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-08-30	2023-08-31	2023-09-01	2023-09-02	2023-09-03
वर्षा (मिमी)	2.0	0.0	1.0	10.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	22.0	20.0	20.0	22.0	21.0
न्यूनतम तापमान(से.)	11.0	11.0	11.0	12.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	90	90	90	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	60	60	65	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	140	70	70	70	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	1	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 3 सितंबर तक बूंदाबांदी से हल्की बारिश (2-10 मिमी) होने की संभावना है। अधिकतम न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 22.0 डिग्री सेल्सियस और 11.0-13.0 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने की सम्भावना है । 29 एवं 31 अगस्त तथा 1 एवं 2 सितम्बर, 2023 को नैनीताल जिले में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/तूफान आने की संभावना है। शेष अवधि के दौरान शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

17-23 अगस्त, 2023 के लिए प्राप्त साप्ताहिक वर्षा 86.9 मिमी है जो सामान्य वर्षा (76.1 मिमी) के मुकाबले 12% कम है और सामान्य वर्षा पैटर्न दर्शाता है, जबकि विस्तारित सीमा पूर्वानुमान प्रणाली सप्ताह (25-31 अगस्त) के लिए सामान्य वर्षा पैटर्न से कम दिखाती है । किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (एंड्रा इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी सप्ताह में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है, जिससे किसान उपयोग के अनुसार खेती की सभी गतिविधियां आसानी से कर सकेंगे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान में कहीं-कहीं पर बैक्टीरिया जनित झुलसा रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। जिन खेतों में पंक्तियों के अगले भाग सूखकर सफेद हो गये हों या पंक्तियो के दोनों किनारे ऊपर से नीचे की ओर सूखते हुये सफेद हो रहे हों वहाँ खेतों में कॉपर ओक्सीक्लोराइड 500ग्राम तथा स्टेपटोसाइक्लिन 15ग्राम, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिकाव करें। छिड़काव करने के पूर्व खेत से पानी निकाल दें तथा यूरिया का प्रयोग न करें। छिड़काव 7-10 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। धान की फसल में रोपाई के 45-50 दिन बाद, तना बेधक का प्रकोप होने पर, क्लोरान्ट्रा निलिप्रोले 20 एस सी 150 मिली/है0 या फ्लूबेंडिबें बें यामाइड 480 एससी 75 मिली/है0 या फिप्रोनील 5 एससी 1.0 लीटर या कॉरटाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लू पी 600ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी 2.5 लीटर 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से छिडत्रकाव करें।
रागी	फसलों की निगरानी करते रह और फसल यदि में तना बेधक कीट छति पहुँचता है तो इसकी रोकथाम के लिए फिप्रोनिल 5 एस. सी. 1 लीटर या कॉरटाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लू. पी. 600 ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. 2. 5 लीटर 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
मक्का	फसल की उचित निगरानी करें और झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए।सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए ।
सोयाबीन	कीटों और बीमारियों के लिए फसल की निगरानी करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
पालक	इस माह में पालक की बुआई की जा सकती है।
मिर्च	मिर्च की फसल का ऊपरी तना सूखने पर तथा काला पड़ जाने पर फसल को बचाने के लिए संक्रमित शाखाएं तोड़ कर हटा देना चाहिए। फसल को सड़ने से बचने के लिए 0.1% कैर्बेन्डाजिम घोल का छिड़काव करें।
गोभी	फूलगोभी की पछेती किस्मों, स्मों पत्तागोभी की किस्मों और नोल-खोल की रोपाई इस महीने में की जा सकती है और यह तब किया जाना चाहिए जब अंकुर 4-6 सप्ताह के हो जाएं या वे 4-6 पत्ती अवस्था प्राप्त कर लें।
मूली	इस महीने में मूली की यूरोपीय किस्में, एशियाई और यूरोपीय किस्मों की गाजर, शलजम और चुकंदर की बुआई की जा सकती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछियो का माँ से दूध छः महीने के बाद ही छुड़वाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे तरीके से हो सके।
भेंस	'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए।